अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 प्रदूषित नदियां...
6 रिंकू सिंह बन गया आईपीएल का सुपर स्टार...
7 आवास बनाते समय तकनीक के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण भी...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-14 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 11 अप्रैल से 17 अप्रैल 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

अमृतपाल का दाहिना हाथ पप्पलप्रीत अमृतसर रूरल से गिरफ्तार, 23 दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की तलाश में जुटी पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने अमृतपाल के करीबी पप्पलप्रीत को अमृतसर रूरल से गिरफ्तार कर लिया है. पप्पलप्रीत अमृतपाल का सलाहकार है, वह उसके फरार होने के समय से ही अमृतपाल के साथ साये की तरह रह रहा था. पुलिस उस पर एनएसए लगाने वाली है. अभी के लिए उसे असम के डिब्रूगढ़ ले जाया जा रहा है.

सुई की नोक जितनी जमीन भी कोई नहीं ले सकता

अरुणाचल से अमित शाह ने चीन को दिया करारा जवाब

दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के किबिथू इलाके में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत की. उनकी इस यात्रा को लेकर चीन कड़ा विरोध जता रहा है. दरअसल चीन इस पूरे क्षेत्र पर अपना दावा करता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस वक्त अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर हैं. दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के किबिथू इलाके में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत की. इससे सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार आएगा. साथ ही पलायन रोकने और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिहाज से भी **वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम** काफी अहम माना जा रहा है. बता दें कि अरुणाचल का किबिथू गांव चीन से सटा हुआ है. अमित शाह की वाइब्रेंट विलेज योजना पर 4800 करोड़ रुपये खर्च होंगे. उनका दौरा काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल में चीन ने अरुणाचल के 11 स्थानों के नाम बदल दिए थे।

अमित शाह के इस दौरे से चीन बौखला गया है. चीन का कहना है कि भारत के गृह मंत्री के अरुणाचल प्रदेश दौरे से उसकी क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन हुआ है. चीन ने अमित शाह के अरुणाचल प्रदेश दौरे की आलोचना भी की है. चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि चीन भारत के गृह मंत्री की अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का दृढ़ता से विरोध कर रहा है और क्षेत्र में उनकी गतिविधियों को बीजिंग की क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन मानता है।

यूपी में दो चरणों में होंगे निकाय चुनाव

उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनावों का ऐलान हो गया है. यूपी में दो चरणों में निकाय होंगे. पहले चरण की वोटिंग 4 मई और दूसरे चरण की वोटिंग 11 मई को होगी. चुनाव के नतीजे 13 मई को आएंगे. चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही प्रदेश में आचार संहिता लागू हो गई है.

नहीं थम रही रफ्तार! IMA ने देश भर में बढ़ते कोरोना मामलों के पीछे बताए 3 कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस का प्रकोप एक बार फिर भारत में बढ़ रहा है। दैनिक मामले चौंकाने वाले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। वायरस धीरे-धीरे अपना पैर पसरता जा रहा है। देश के कुछ राज्यों में वायरस के बढ़ते मामले चिंता का विषय बने हुए हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 5,880 नए मामले दर्ज किए गए हैं और इसी के साथ देश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 35,199 हो गई है।

इस बीच, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का देश भर में बढ़ते कोविड संक्रमणों पर बयान सामने आया है। आईएमए ने कहा, हमारे देश में हाल ही में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के पीछे कोविड-19 के प्रति बेफिक्र व्यवहार, कम परीक्षण दर और कोविड के एक नए संस्करण का उभरना एक बड़ा कारण हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है।

राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की घोषणा

वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय ने देशभर के अस्पतालों में तैयारियों की समीक्षा करने के लिए सोमवार और मंगलवार को राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल की घोषणा की है। आपको बता दें कि इस प्रक्रिया में सरकारी और निजी दोनों प्रकार के स्वास्थ्य केंद्रों के भाग लेने की संभावना है। वहीं, सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया मॉक ड्रिल के पहले दिन दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। स्वास्थ्य मंत्री मॉक ड्रिल के दौरान अस्पताल की तैयारियों का निरीक्षण किया।

जमशेदपुर में धार्मिक झंडे के अपमान को लेकर फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई दुकानों को फूंका

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े थे। स्थिति अब नियंत्रण में है। जो लोग जमा हुए थे उन्हें घर भेज दिया है। तनाव को देखते हुए आंशिक रूप से मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया गया है झारखंड के जमशेदपुर में माहौल शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। बताया जा रहा है कि एक धार्मिक झंडे के कथित अपमान के बाद दो गुटों के बीच शास्त्रीनगर में हिंसक झड़क हो गई। ने जमकर पथराव किया साथ ही कई दुकानों और एक ऑटो-रिक्शा में आग लगा दी।

पायलट के तेवरों की क्रोनोलॉजी से ,गहलोत के लिए कितनी बड़ी है ताजा चुनौती

सचिन पायलट ने रविवार को ऐलान किया कि वो 11 अप्रैल यानी मंगलवार को एक दिन का अनशन करेंगे. राजस्थान में बीजेपी नेता वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर पायलट कांग्रेस सरकार के खिलाफ मैदान में उतरने जा रहे हैं. इसके साथ ही पायलट ने उस चिट्ठी को भी सार्वजनिक कर दिया है जो चिट्ठी उन्होंने 28 मार्च 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखी थी.

राजस्थान की सियासत के जादूगर कहे जाने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने 40 साल के सियासी सफर में बड़े-बड़े नेताओं को मात दी है और अपना राजनीतिक वर्चस्व कायम रखा है. अब उनके सामने अपने सियासी करियर की सबसे बड़ी चुनौती है जिसका नाम है सचिन पायलट. गहलोत 2018 में मुख्यमंत्री जरूर बन गए, लेकिन पिछले सवा चार साल से पायलट ने उन्हें चैन की नींद नहीं सोने दिया. अब एक बार फिर से पायलट ने बगावती तेवर अख्तियार कर रखा है और अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है.

सचिन पायलट ने रविवार को ऐलान किया कि वो 11 अप्रैल यानी मंगलवार को एक दिन का अनशन करेंगे. राजस्थान में बीजेपी नेता वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर पायलट कांग्रेस सरकार के खिलाफ मैदान में उतरने जा रहे हैं. इसके साथ ही पायलट ने उस चिट्ठी को भी सार्वजनिक कर दिया है जो चिट्ठी उन्होंने 28 मार्च 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखी थी. इतना ही नहीं नवंबर 2022 में फिर से लिखी गई चिट्ठी का जिक्र भी उन्होंने किया. पायलट ने कहा कि मौजूदा सरकार आबकारी माफिया, अवैध खनन, भूमि अतिक्रमण और ललित मोदी हलफनामे वाले मामले में कार्रवाई करने में विफल रही है.

नवंबर 2018 से जारी है अदावत

राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच सियासी वर्चस्व की यह जंग आजकल की नहीं बल्कि 2018 के चुनाव के बाद से ही चली आ रही है. नवंबर 2018 में विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कांग्रेस राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन उसे 99 सीटें ही मिल सकीं. ऐसे में मुख्यमंत्री पद को लेकर अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों नेता अड़ गए. पायलट कांग्रेस अध्यक्ष होने और बीजेपी के खिलाफ पांच सालों तक संघर्ष करने के बदले मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावेदारी जता रहे थे तो अशोक गहलोत ज्यादा विधायकों का अपने पक्ष में समर्थन होने और वरिष्ठता के आधार पर अपना हक बता रहे थे.

प्रदूषित नदियां

दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं का विकास नदियों के किनारे ही हुआ है।

प्रकृति से मनुष्य को मिलने वाले जीवन-स्रोतों में नदियों को लेकर जितनी चिंता जताई जाती रही है, उसी अनुपात में उन्हें बचाने की कोशिशें जमीन पर नहीं उतरीं। आज भी नदियों के प्रदूषित होते जाने पर पर्यावरणविदों की ओर से लगातार चेतावनी दी जाती है, सरकारों की ओर से जरूरी कदम उठाने की घोषणाएं होती हैं, संबंधित महकमों के जरिए अलग-अलग स्तर पर योजनाओं पर अमल करने की बात कही जाती है।

मगर इन तमाम कवायदों और सदिच्छाओं के बावजूद हकीकत यह है कि देश भर में कई नदियों में प्रदूषण का स्तर इस कदर गहरा गया है कि मनुष्य के लिए मौजूदा हालत में उनकी उपयोगिता अब घटती जा रही है। बल्कि कुछ नदियों का पानी पीने लायक तो दूर, नहाने के लिए भी सुरक्षित नहीं रहा। हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में यह जानकारी दी कि प्रमुख नदियां देश के सभी राज्यों में प्रदूषित हो रही हैं। संसद में पेश इस जानकारी का आधार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पिछले दिनों एक रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि देश भर में दो सौ उनासी नदियां ऐसी हैं, जो तीन सौ ग्यारह जगहों पर पहुंच कर प्रदूषित हो रही हैं।

यह स्थिति अपने आप में बताने के लिए काफी है कि लंबे समय से नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लागू योजनाओं के नतीजे घोषित मकसद के मुताबिक सामने नहीं आ पा रहे हैं। सवाल है कि अगर सरकार किसी योजना को अमल में लाने की बात कहती है तो उसे वास्तव में जमीन पर उतारने को लेकर उसकी क्या जिम्मेदारी होती है! नदियों के प्रदूषित होने और उसके कारणों को चिह्नित करके उसे दूर करने के उपाय तैयार करने की एक प्रक्रिया होती है।

लेकिन आखिर क्या कारण है कि इस बात का अध्ययन तो कर लिया जाता है कि इतनी ज्यादा संख्या में नदियां तीन सौ से ज्यादा जगहों पर प्रदूषित हो रही हैं, मगर इस समस्या को दूर करने को लेकर नतीजा देने वाली कोई ठोस पहल प्रत्यक्ष नहीं दिखती। यों कहने को प्रदूषण से बेमानी हो चुकी और कई जगहों पर गंदा नाला बनती जा रही नदियों को स्वच्छ बनाने की सदिच्छाओं और घोषणों में कमी नहीं रही है। केवल गंगा और यमुना के पानी को ही साफ बनाने के लिए 'नमामि गंगे' या 'यमुना कार्ययोजना' जैसी महत्त्वाकांक्षी योजनाएं सालों से चल रही हैं, मगर इन नदियों की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं आया।

अब अगर खुद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में दो सौ उनासी नदियों के अलग-अलग राज्यों में पहुंच कर प्रदूषित होने का तथ्य दर्ज हो रहा है, तो आखिर इस मसले पर घोषित और अमल में लाई गई योजनाओं पर काम करने का तौर-तरीका और हासिल क्या रहा है? हालत यह है कि शहरों-महानगरों में बहने वाले नालों, स्थानीय स्तर पर निकलने वाला गंदा पानी से लेकर विभिन्न वस्तुएं बनाने वाले कारखानों से निकले कचरा या रासायनिक घोल को धड़ल्ले से नदियों में बहाया जाता है। सरकारों को इसकी पहचान करने में भी बहुत मुश्किल नहीं है।

इसके बावजूद नदियों को जहरीला बनाने वाले इन कारकों पर रोक लगाने और उसका वैकल्पिक उपाय करने को लेकर नतीजा देने वाली नीति नहीं दिखती। दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं का विकास नदियों के किनारे ही हुआ है। वक्त के साथ विकास के पायदान पर चढ़ते देश और समाज ने शहरों और बस्तियों के अलग-अलग स्वरूप में पानी के लिए नदियों पर निर्भरता कम की। लेकिन शायद इस वास्तविकता की अनदेखी की गई कि अगर प्रदूषण के बढ़ते स्तर से नदियों का जीवन नहीं बचा, तो उसका असर एक बड़ी त्रासदी के रूप में सामने आएगा।

संपादक-
गोपाल गावंडे

अर्थव्यवस्था में निवेश का संकट।

निवेश अर्थव्यवस्था का आधार होता है। इसके अभाव में अर्थव्यवस्था अर्थहीन हो जाती है।

मौजूदा परिस्थितियों में सार्वजनिक निवेश ऐसी परियोजनाओं में करने की जरूरत है, जो अधिक से अधिक रोजगार पैदा करने वाली हों। लोगों की जेब में पैसे पहुंचेंगे, तभी बाजार में मांग बढ़ेगी और निजी क्षेत्र निवेश को आगे आएगा। अफसोस कि इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो रही।

निवेश अर्थव्यवस्था का आधार होता है। निवेश के अभाव में अर्थव्यवस्था अर्थहीन हो जाती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति इसका एक उदाहरण भर है। बाजार में मांग मंद हो चली है। महंगाई, बेरोजगारी का बोझ असहनीय हो चुका है। आम आदमी कराह रहा है, और खास लोग तीव्र वृद्धि दर की डफली पीट रहे हैं। आत्ममंथन की गुंजाइश खत्म हो गई है। अर्थव्यवस्था की इस करुण कथा का अंत भले अदृश्य है, लेकिन आभास डरावना है।

आदर्श अर्थव्यवस्था वह होती है, जहां हर हाथ को काम, हर घर में कमाई, सबके लिए सम्मानजनक जीवन के साधन और अवसर सुलभ हों। यह सुलभता तभी संभव है, जब उचित निवेश उपलब्ध हो। खुले बाजार वाली अर्थव्यवस्था में निवेश की बड़ी जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर आ जाती है, क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र विनिवेश की भेंट चढ़ चुका होता है। निजी क्षेत्र तभी निवेश करता है, जब पूंजी की मुनाफे के साथ वापसी का भरोसा हो।

भरोसे का वातावरण बनाने की जिम्मेदारी नीति नियंताओं की होती है। यहीं पर उनके कौशल, उनकी नीति और नीयत की परीक्षा होती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा दशा इस परीक्षा का परिणाम है। परिणाम के पुनरीक्षण से स्थिति कुछ सुधर सकती है, लेकिन हमने पहले ही खुद को पास मान लिया है। फिर सारी कसरत पानी पर लाठी पीटने जैसी हो जाती है।

निवेश आकर्षित करने की जाहिर तौर पर कोशिशें की गई हैं। व्यापार आसान बनाने से लेकर सभी क्षेत्रों को निजी निवेश के लिए खोलने तक, कारपोरेट कर घटाने से लेकर आइबीसी जैसा कानून बनाने तक। इन सबके कुछ फायदे भी हुए हैं, लेकिन वह नहीं हुआ जो होना चाहिए था। आज 190 देशों के 'ईज आफ डूइंग बिजनेस' सूचकांक में 142वें (2014) पायदान से उठ कर 63वें (2022) पायदान पर पहुंच जाने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था निवेश को मोहताज है।

निजी क्षेत्र को भरोसा ही नहीं कि बाजार में छोड़ी जाने वाली पूंजी वापस लौट आएगी। निवेशक सम्मेलन, निवेशक वादे, घोषणाएं सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घट रहा है, तो घरेलू निजी निवेश भी नीचे आ रहा है। बेशक, इन सबके बाहरी कारण हैं, लेकिन आंतरिक कारण कम नहीं हैं। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के आंकड़े बताते हैं कि मौजूदा वित्तवर्ष (2022-23) के प्रथम नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) पंद्रह फीसद घट कर 36.75 अरब डालर रह गया, जो पिछले वित्तवर्ष की इसी अवधि में 43.17 अरब डालर था। वित्तवर्ष 2021-22 के दौरान 58.7 अरब डालर का एफडीआइ आया, जबकि रिकार्ड 59.6 अरब डालर एफडीआइ 2020-21 के दौरान आया था। अब तक का सर्वाधिक 83.57 अरब डालर का कुल एफडीआइ वित्तवर्ष 2021-22 में आया था। कुल एफडीआइ में अंशधारक निवेश, निवेश से हुई आय का निवेश और अन्य पूंजी शामिल होती हैं। आइटी क्षेत्र में उछाल महामारी के दौर का फलित था। इस क्षेत्र में सर्वाधिक पच्चीस फीसद एफडीआइ आया और नौकरियां भी पैदा हुईं। लेकिन समय गुजरने के साथ यह कारवां थम गया। आज यह क्षेत्र छंटनी की छुरी से रक्तरंजित है। एफडीआइ में गिरावट से रुपया भी रुहासा हुआ। डालर के मुकाबले 80 के स्तर से नीचे लुढ़क गया। घरेलू निजी निवेश की स्थिति भी कमोबेश ऐसी ही है। निवेश पर निगरानी रखने वाली संस्था 'प्रोजेक्ट्स टुडे' का ताजा सर्वेक्षण कहता है कि कुल निवेश में घरेलू निजी निवेश की हिस्सेदारी वित्तवर्ष 2022-23 के प्रथम नौ महीनों में घट कर 54.66 फीसद रह गई, जो 2021-22 के प्रथम नौ महीनों में 62.50 फीसद थी। वित्तवर्ष 2021-22 की इसी अवधि में निजी निवेश की कुल 3,585 परियोजनाएं थीं, जो 2022-23 की इसी अवधि के दौरान घट कर 2,787 रह गईं।

सरकार ने अब निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए वित्तवर्ष 2023-24 के बजट में केंद्रीय पूंजीगत निवेश का परिव्यय 37.4 फीसद बढ़ा कर 10 लाख करोड़ रुपए कर दिया है। पिछले वित्तवर्ष में यह 7.28 लाख करोड़ रुपये था। मगर यह पूरी राशि खर्च हो पाएगी, इसकी संभावना कम है। पिछले नौ सालों में चार बार (2014, 2015, 2018, 2020) ऐसा हुआ, जब पूंजीगत निवेश के लिए घोषित पूरी राशि खर्च नहीं हो पाई। अगर वित्तवर्ष 2024 के लिए घोषित पूरी राशि खर्च हो भी जाए, तो महंगाई, बेरोजगारी जैसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी बीमारी से राहत नहीं मिलने वाली, क्योंकि पूंजीगत निवेश का बड़ा हिस्सा बड़ी परियोजनाओं पर खर्च होना है। इससे खास किस्म की मांग बढ़ने से खास बड़े कारोबारियों को तो लाभ होगा, लेकिन बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पाएगा। रोजगार के अभाव में बाजार में मांग की स्थिति और मंद हो सकती है। ऐसे में निजी निवेश के लिए पूंजीगत निवेश में वृद्धि निष्फल हो जाएगी।

मौजूदा परिस्थितियों में सार्वजनिक निवेश ऐसी परियोजनाओं में करने की जरूरत है, जो अधिक से अधिक रोजगार पैदा करने वाली हों। लोगों की जेब में पैसे पहुंचेंगे, तभी बाजार में मांग बढ़ेगी और निजी क्षेत्र निवेश को आगे आएगा। अफसोस कि इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो रही। सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी (सीएमआइई) के अनुसार, फरवरी 2023 में भी बेरोजगारी दर 7.45 फीसद पर बनी रही। खुदरा महंगाई दर भी 6.44 फीसद दर्ज की गई। बेरोजगारी, महंगाई के समन्वित प्रभाव से मंद पड़ी मांग का परिणाम है कि मौजूदा वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में विकास दर घट कर 4.4 फीसद रह गई। चौथी तिमाही में इसके और नीचे जाने की आशंका है। महामारी और यूक्रेन युद्ध जनित बाहरी कारणों से देश का निर्यात नीचे आ रहा है। मगर घरेलू मांग में गिरावट के लिए आंतरिक कारण ही जिम्मेदार हैं। जनवरी 2023 में भारत का निर्यात 6.59 फीसद घटा, तो आयात 3.63 फीसद घट गया। परिणामस्वरूप, व्यापार घाटा भी घट कर बारह महीने के निचले स्तर 17.75 अरब डालर पर आ गया। मौजूदा वित्तवर्ष के प्रथम दस महीनों (अप्रैल-जनवरी 2023) के दौरान निर्यात ऋण दर भी 39.2 फीसद घट गई। आरबीआइ के आंकड़े बताते हैं 27 जनवरी, 2023 को निर्यात ऋण 14,390 करोड़ रुपए था, जबकि 25 मार्च, 2022 को यह 23,681 करोड़ रुपए था। निर्यात-आयात में गिरावट के फलस्वरूप विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नकारात्मक हो गई।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। अगर घरेलू मांग मजबूत होती, तो अर्थव्यवस्था बगैर निर्यात के अर्थवान रह सकती थी। मगर हमने नीतियों में घरेलू मांग को महत्त्व ही नहीं दिया। कमाई न होने से मांग पहले से मंद थी, और महंगाई से निपटनत्के लिए प्रमुख ब्याज दर में की गई वृद्धि से मांग और मंद हो गई। फिर घरेलू मांग को प्रोत्साहित करने वाले बचे-खुचे नीतिगत उपकरण भी कमजोर कर दिए गए। मनरेगा का बजट, मौजूदा वित्तवर्ष के संशोधित अनुमान 89,400 करोड़ रुपए से घटा कर वित्तवर्ष 2023-24 के लिए साठ हजार करोड़ रुपए कर दिया गया। ग्रामीण विकास का आबंटन भी मौजूदा वित्तवर्ष के संशोधित अनुमान 2,43,317 करोड़ रुपए से घटा कर अगले वित्तवर्ष के लिए 2,38,204 करोड़ रुपए कर दिया गया है। मांग में मददगार असंगठित क्षेत्र पहले से विखंडित है। आरबीआइ की रपट के अनुसार, जीडीपी में लगभग 50 फीसद और श्रमशक्ति में लगभग 80 फीसद की हिस्सेदारी रखने वाले असंठित क्षेत्र (विनिर्माण) का जीवीए वित्तवर्ष 2020-21 के दौरान 16.6 फीसद संकुचित हो गया। इन तमाम चुनौतियों से हमने कोई सबक लिया है, नए बजट के नक्शे में ऐसा कोई चिह्न दिखाई नहीं देता।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

जमीन बंटवारे को लेकर विवाद, 6 घायल

दोनों पक्षों के लोगों ने जमकर की मारपीट

इंदौर। जमीन के बंटवारे को लेकर दो पक्षों के लोगों में विवाद हो गया और नौबत मारपीट तक जा पहुंची। इस दौरान दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे से जमकर मारपीट की। इस झगड़े में हथियार भी निकल आए। विवाद के दौरान 7 लोग घायल हो गए। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया है। दोनों ही पक्ष के लोग एक ही परिवार के हैं और इनके बीच पहले से विवाद चल रहा है।

घटना शिप्रा थाना क्षेत्र की है। घटना रविवार दोपहर ग्राम हतुनिया में हुई । पुलिस के अनुसार फरियादी रामलाल पिता भुवान की रिपोर्ट पर हरि सिंह ,मोहन उर्फ आसाराम ,राजेश अरविंद ,भगवान सिंह, लीलाबाई और सुनीता के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी रामलाल के मुताबिक आरोपियों ने जमीन बंटवारे की बात को लेकर चाकू तलवार से हमला कर दिया जिसमें फरियादी रामलाल रामचंद्र सुनील और पप्पू घायल हो गए। सभी आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

इसी प्रकार दूसरे पक्ष की लीला बाई पति परमानंद की रिपोर्ट पर आरोपी रामलाल पप्पू सुनील दिनेश मान कुंवर बाई पवित्रा आदि के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी लीलाबाई ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने हथियारों से लैस होकर घर में घुसकर हमला कर दिया जिसमें लीलाबाई बेटा अरविंद बेटी सोना और जमाई भगवान सिंह घायल हो गए।

पत्नी को कर दिया घायल

शराब पीकर घर पहुंचे पति ने पत्नी से विवाद किया और इस दौरान मारपीट कर उसे घायल कर दिया। राऊ पुलिस के अनुसार सुशीला वर्मानिवासी कंट्रोल के पास कमल नगर की शिकायत पर उसके पति किशोर के खिलाफ केस दर्ज किया है। सुशीला ने पलिस को बताया कि कल रात में मेरे पति किशोर शराब पिकर आये व मुझसे बोले की मेरे हाथ पेर की मालिस कर तो मैने बोला मै भी काम कर आयी हुँ थक गई हुँ । इसी बात को लेकर मुझे गालिया देने लगे मैने गालिया देने से मना किया तो मारपीट की। सइ दौरान बाये आंख के पास ठुसा मारा तो मै गिर गई गिरने से मुझे बाये हाथ की कलाई मे चोट लगी है , मेरे पति आये दिन छोटी -छोटी बात को लेकर शारारिक मानसिक रुप से प्रताडित कर मारपीट करता है।

बाइक सवार बदमाशों ने लूटे मोबाइल

एक घटना में आरोपी पकड़ा

इंदौर। तीन स्थानों पर बाइक सवार बदमाशों ने तीन लोगों के मोबाइल लूट लिए। एक घटना में दो आरोपियों को पकड़ लिया गया, जबकि दो में आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस को फरियादी देशराज पिता राम सेवक यादव निवासी साई बाबा नगर में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह प्रजापत नगर से पैदल पैदल घर जा रहा था। मोबाइल फोन पर बात करने के दौरान बाइक सवार दो बदमाश उसे धक्का देकर मोबाइल छीनकर भागने लगे शोर मचाया तो लोगों ने पीछा कर दो आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपियों के नाम गोलू उर्फ अमित पिता राजेश कुमार और हेमंत पिता नारायण भिलाला दोनों निवासी सुदामा नगर झुग्गी झोपड़ी। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है । इसी प्रकार फरियादी रोबिन पिता नवरंग निवासी हरदा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैं बीती रात इंदौर आया और नौलखा स्थित हार्डिया टेंट हाउस के पास मोबाइल फोन पर दोस्त के घर की लोकेशन देख रहा था तभी बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर तीन बदमाश आए और धक्का देकर मोबाइल फोन लूट कर भाग गए। भंवरकुआं पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है।

इसी प्रकार राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाश झपट्टा मारकर एक युवक का मोबाइल छिनकर भाग निकले। पुलिस ने बताया कि बलराम पिता गुलाबसिंह डाबर निवासी ग्राम पुरा थाना टांडा जिला धार हाल मुकाम मिश्राजी गार्डन के पास जवाहर नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कल वह जवाहर नगर से जा रहा था, तभी पीछे से आए बदमाश ने झपट्टा मारा और मोबाइल छिनकर भाग निकला। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है।

बीयर और देशी शराब की पेटी बरामद

इंदौर। आबकारी की टीम लगातार शराब के अवैध धंधे में लिप्त आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देकर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में महू क्षेत्र में एक आरोपी के घर टीम ने दबिश देकर बड़ी मात्रा में बीयर और देशी शराब की पेटी बरामद की है। जब्त माल की कीमत करीब एक लाख रूपए बताई जा रही है।

शहर के साथ आसपास सटे ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है। इन धंधों में लिप्त आरोपियों के यंहा लगातार आबकारी की टीम दबिश देकर अवैध शराब जब्त कर रही है। पिछले कई दिनों से लगातार टीम कार्रवाई कर अब तक दस लाख रूपए से अधिक की शराब जब्त कर चुकी है। इसी कड़ी में महू क्षेत्र में कार्रवाई की गई। कंट्रोलर राजीव मुदगल ने बताया कि टीम ने वृत्त महू,मालवा मिल अ,मालवा मिल ब व आंतरिक क्षेत्र 2 द्वारा महू गांव में दबिश दी गई। इस दौरान टीम ने आरोपी आनंद उर्फ चीकू पिता सुनील लोट(29) निवासी महू गांव के पास से 29 केन बीयर,50 पाव देशी मसाला, 18 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद की है। जब्त मदिरा की कुल मात्रा करीब 26.74 ब लीटर है। वहीं करीब एक लाख रूपए का माल इस कार्रवाई में जब्त किया गया है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिर तार कर लिया गया है।

चेन स्नैचर गैंग के दो आरोपी पकड़ाए

इंदौर। भंवरकुंआ पुलिस ने चेन स्नैचर गैंग के दो सदस्यों को गिर तार किया है। वहीं इनके कब्जे से दो मोबाइल एंव घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है। टीआई शशिकांत चौरसिया ने बताया कि गिरफ्त में आए आरोपियों ने भंवरकुंआ थाना क्षेत्र के भोलाराम उस्ताद मार्ग एंव द्वारकापुरी क्षेत्र के 60 फीट रोड से फरियादी के हाथों से झपट्टा मारकर मोबाइल लूट लिया था। इन मामलों में आरोपियों की सतत तलाश की जा रही थी। इस बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर हेमंत ठाकुर निवासी सुदामा नगर और गोलू उर्फ अमित निवासी सुदामा नगर को गिर तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने भंवरकुंआ और द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में वारदात को अंजाम देना कबूल किया। गिर त में आए आरोपी आदतन अपराधी हैं और इन पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

युवती से छेड़छाड़, महिला से घर में घुसकर हरकत

इंदौर। एक युवती से बदमाश ने छेड़छाड़ की। जब उसने विरोध किया तो उसे धमकाया। वहीं एक महिला के साथ मनचले ने घर में घुसकर अश्लील हरकत की। तेजाजी नगर पुलिस ने बताया कि मामले में अनिकेत मीणा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी अनिकेत फिरायदी का बुरी नीयत से पीछा किया उसने उसकी और ध्यान नहीं दिया। इस पर आरोपी ने आकर उसके साथ में हरकत करना शुरू कर दिया जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने फोटो वायरल करने की धमकी दी। इसी प्रकार खुड़ैल थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ आरोपी ने घर में घुसकर अश्लील हरकत की। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे पानी भरने का लालच दिया। इसके बाद भी वह नहीं माने तो आरोपी ने उनके साथ में मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी मनोज यादव के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि पति काम पर गए थे। वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी जबर्दस्ती घर में घुस आया इसके बाद उसके साथ में अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज की और मारपीट कर दी। इतना ही नहीं जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया।

किशोर पर नाबालिगों ने किया हमला

इंदौर। चंदन नगर इलाके में रात के समय भाई के साथ नमाज पढकर मस्जिद से लौट रहे एक बच्चे पर नाबालिगों ने हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि फेज नाम के किशोर की शिकायत पर नाबालिगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि वह भाई के साथ ग्रीन पार्क में मस्जिद से नमाज पढकर आ रहा था वहीं रहने वाले दो नाबालिगों ने पहले तो उसके साथ अकारण विवाद किया बाद में उस पर हमला कर दिया।

धोखाधड़ी का फरार आरोपी गिरफ्त में

इंदौर। बैंक खाते से 9 लाख रुपए ऑनलाइन निकालकर धोखाधड़ी के मामले में फरार हुए आरोपी को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्त में लिया है। आरोपी ने वारदात को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अंजाम दिया था। वारदात के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखबिर सूचना पर संयुक्त कार्यवाही कर मुताबिक योजना के घेराबंदी कर प्रकरण में फरार आरोपी कुशल खत्री निवासी गोमतेश्वर नगर,इंदौर को पकडा । पूछताछ में पता चला की फरियादी की पेंशन एवं स्व.पुत्री का पैसे स्टेट बैंक खाते में जमा था जिसमे स्व.पुत्री का मोबाइल नंबर लंबे समय से बंद होने के कारण उक्त नंबर की सिमकार्ड किसी अन्य व्यक्ति के नाम से अलॉट हो गयी थी, जिसे आरोपी के द्वारा प्राप्त कर संबंधित बैंक से लिंक मोबाइल नंबर पर ऐप डाउनलोड कर नेटबैंकिंग के माध्यम से दुरुपयोग करते हुए करीब 09 लाख रुपए आहरित कर ठगी की गई थी ।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

अपने शिक्षक के प्यारे थे बाबा साहेब, प्यार से उन्होंने दे दिया अपना नाम

आंबेडकर

देश के पहले कानून मंत्री रहे और संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष रहे भीमराव आंबेडकर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं. देश 14 अप्रैल को उनकी 132वीं जयंती मनाने जा रहा है.आसान नहीं होता एक ऐसे तबके से आकर दुनिया के फलक पर छा जाना जो शोषण और दमन का शिकार रहा हो, लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर तो किसी और ही मिट्टी के बने थे. खुद के शोषण का अंधेरा उन्होंने अपनी इल्म की रोशनी से मिटा डाला.यही वजह है कि आज देश में उनके जन्म के अवसर 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है. इस साल भी उनकी 132वीं जयंती पूरे देश में मनाई जाएगी.

बाबा साहब की जिंदगी ऐसे लोगों के लिए मिसाल है जो जिंदगी की मुश्किलों के आगे घुटने टेक देते हैं. तो चलिए हम उन्हीं बाबा साहेब की जिंदगी के सफर पर आपको ले चलते हैं, जिन्होंने भारत के संविधान को बनाने में अहम भूमिका निभाई है. एक ऐसा गणतंत्र बनाने में सहयोग किया जिसमें गण को ही तंत्र चलाने की शक्ति दी गई है.

भेदभाव सहा,लेकिन टूटे नहीं हौसले

जब भारत गुलामी के बेड़ियों में जकड़ा हुआ था. तब मध्य भारत यानी अब के मध्य प्रदेश महू नगर सैन्य छावनी में रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई के घर 14 अप्रैल 1891 एक बच्चे ने जन्म लिया. तब शायद इस दंपति को भी नहीं पता होगा कि 14 वीं संतान के रूप में जन्मा ये बच्चा पूरी दुनिया में उनका नाम रोशन करेगा. उनका कुनबा कबीर पंथ को मानने वाला मराठी मूल का था.

ये कुनबा मूल रूप से वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गांव के रहने वाले और अछूत माने जाने वाली महार जाति से थे. इस वजह से उन्हें बचपन से ही सामाजिक और आर्थिक तौर से गहरा भेदभाव सहना पड़ा था. आलम ये था कि अंग्रेजी सेना में काम करते हुए बालक भीमराव के पिता सूबेदार बने थे, लेकिन समाज हमेशा उनसे दोयम दर्जे का व्यवहार करता रहा.

इस सबका असर भीमराव के बाल मन पर गहरा पड़ा. स्कूल की पढ़ाई में बेहतरीन होने के बाद भी एक छात्र के तौर पर उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा. 7 नवम्बर 1900 को उनके पिता रामजी सकपाल ने सातारा की गवर्नमेंट हाई स्कूल में बेटे भीमराव का नाम भिवा रामजी आंबडवेकर लिखवाया था. बाबा साहेब के बचपन का नाम **भिवा** था.उनके मूल नाम सकपाल की जगह उनके गांव आंबडवे पर उनका नाम आंबडवेकर लिखवाया था. इस दौरान बालक भीमराव की प्रतिभा के कायल उनके ब्राह्मण शिक्षक कृष्णा केशव आंबेडकर आंबडवेकर नाम हटाकर अपनी जाति आंबेडकर उनके नाम के साथ जोड़ दी. तब से लेकर आज तक वो आंबेडकर नाम से ही पहचाने जाते हैं. उन्होंने मराठी और अंग्रेजी को अपनी पढ़ाई का जरिया बनाया.

15 साल में हो गया था बाल विवाह

कुछ वक्त बाद 1897 में उनका परिवार बंबई यानी मुंबई चला आया. आंबेडकर ने सातारा नगर में राजवाड़ा चौक पर स्थित शासकीय हाईस्कूल (अब प्रतापसिंह हाईस्कूल) में 7 नवंबर 1900 को अंग्रेजी की पहली कक्षा में एडमिशन लिया. यही वजह है कि महाराष्ट्र में 7 नवंबर विद्यार्थी दिवस के तौर पर मनाया जाता है.

जब वो चौथी क्लास में अंग्रेजी से पास हुए तो उनके समुदाय के बीच ये दिन उत्सव के तौर पर मनाया गया. उनके परिवार के दोस्त और लेखक दादा केलुस्कर ने उन्हें खुद की लिखी बुद्ध की **जीवनी** उन्हें तोहफे में दी. इसे पढ़कर ही उन्हें पहली बार गौतम बुद्ध और बौद्ध धर्म के बारे में जाना और उससे वो बहुत प्रभावित हुए.

5 वीं कक्षा में पढ़ने के दौरान साल 1906 में जब वो 15 साल के हुए थे उनकी शादी 9 साल की रमाबाई से कर दी गई.

पीछे मुड़कर नहीं देखा फिर कभी...

आंबेडकर ने अपने समुदाय के लोगों से ऐसी बात कही जो आज भी बेहद अहमियत रखती है. उन्होंने कहा, **शिक्षित हो जाओ, आंदोलन करो और संगठित हो** मैट्रिक का एग्जाम 1907 में पास करने के बाद बाबा साहेब ने अगले साल एल्फिंस्टन कॉलेज में दाखिला लिया. शिक्षा में इस स्तर तक पहुंचने वाले वो अपने समुदाय से पहले शख्स थे.

साल1912 तक बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में ग्रेजुएशन करने के बाद वो बड़ौदा सरकार में काम करने लगे. 22 साल की उम्र में वो संयुक्त राज्य अमेरिका गए. वहां सयाजीराव गायकवाड़ तीसरे की एक योजना के तहत न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में वजीफे पर पोस्ट ग्रेजुएशन किया.

इसके बाद लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन किया. वो विदेशी यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र की पढ़ाई करने वाले पहले भारतीय रहे. वजीफा खत्म होने के बाद उन्हें पढ़ाई बीच में छोड़कर 1917 में वापस भारत लौटना पड़ा था. इसके 4 साल बाद ही वो अपनी थीसिस के लिए लंदन लौट पाए थे. हालांकि इस बीच उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा था.

आंबेडकर ने कहा था **छुआछूत गुलामी से भी बदतर है. दरअसल उन्हें पढ़ाई का मौका बड़ौदा के रियासत की वजह से मिला था. उन्हें महाराजा गायकवाड़ का सैन्य सचिव बनाया गया था, लेकिन उन्हें वहां जाति की वजह से भेदभाव का सामना करना पड़ा. उन्होंने ये नौकरी छोड़ दी. इस बात का जिक्र उन्होंने इस घटना को अपनी ऑटोबायोग्राफी** वेटिंग फॉर ए वीजा में लिखा है.

देश की आजादी की लड़ाई में दिया योगदान

इसके बाद पेशेगत जिंदगी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और वकालत भी की, लेकिन उनकी बाद की जिंदगी राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीती. वो भारत की आजादी के लिए सक्रिय रहे. उन्होंने इसके लिए पत्रिकाएं ही प्रकाशित नहीं की बल्कि चर्चाओं में भी कीं. वो अकेले भारतीय शख्स थे जिन्हें ब्रिटिश हुकूमत ने साइमन कमीशन का मेंबर बनाया था.

वो राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने और अपने समुदाय की सामाजिक आजादी की वकालत की. हिंदू धर्म में फैली कुरीतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकर सन 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था. पहले वो सिख धर्म अपनाना चाहते थे. कहा जाता है कि सिख नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने अपना ये इरादा छोड़ दिया था.

आंबेडकर की प्रतिष्ठा एक अद्वितीय विद्वान और कानून के जानकार की थी. यही वजह रही कि गांधी व कांग्रेस मुखर आलोचना के बाद भी उनकी देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिलने के बाद कांग्रेस सरकार ने उन्हें पहले क़ानून और न्याय मंत्री के तौर पर चुना गया.

उन्हें 29 अगस्त 1947 को आजाद भारत के नए संविधान निर्माण के लिए बनी संविधान की मसौदा समिति का अध्यक्ष पद बनाया गया. भारत के संविधान निर्माण के काम में आंबेडकर का शुरुआती बौद्ध संघ रीतियों और अन्य बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन बेहद काम आया.

पूना पैक्ट के जरिए उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित सीट का इंतजाम किया तो देश के पहले वित्त आयोग का गठन करने में उनका अहम योगदान है.

साल 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न सम्मानित किया गया. यही वजह है कि समाज में समानता की बात करने वाले बाबा साहेब आंबेडकर की पैदाइश के दिन14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के तौर पर भारत सहित पूरी दुनिया में मनाया जाता है.

बाबा साहेब को मिली डॉक्टर की उपाधि

लंदन में पढ़ाई के दौरान उनकी स्कॉलरशिप खत्म होने के बाद वह स्वदेश वापस आ गए और यहीं मुंबई के सिडनेम कॉलेज में प्रोफेसर के तौर पर नौकरी करने लगे। 1923 में उन्होंने एक शोध पूरा किया था, जिसके लिए उन्हें लंदन यूनिवर्सिटी ने डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि दी थी। बाद में साल 1927 में अंबेडकर ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से भी पीएचडी पूरी की।

बाबा साहेब अंबेडकर की उपलब्धि

अंबेडकर के राजनीतिक जीवन की बात करें तो उन्होंने लेबर पार्टी का गठन किया था। संविधान समिति के अध्यक्ष रहे। आजादी के बाद कानून मंत्री नियुक्त किया गया। बाद में बॉम्बे नॉर्थ सीट से देश का पहला आम चुनाव लड़ा लेकिन हार का सामना करना पड़ा। बाबा साहेब राज्यसभा से दो बार सांसद चुने गए। वहीं 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर का निधन हो गया। उनके निधन के बाद साल 1990 में बाबा साहेब को भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

योगदर्शन

सह संपादक अशोक सैनी जी

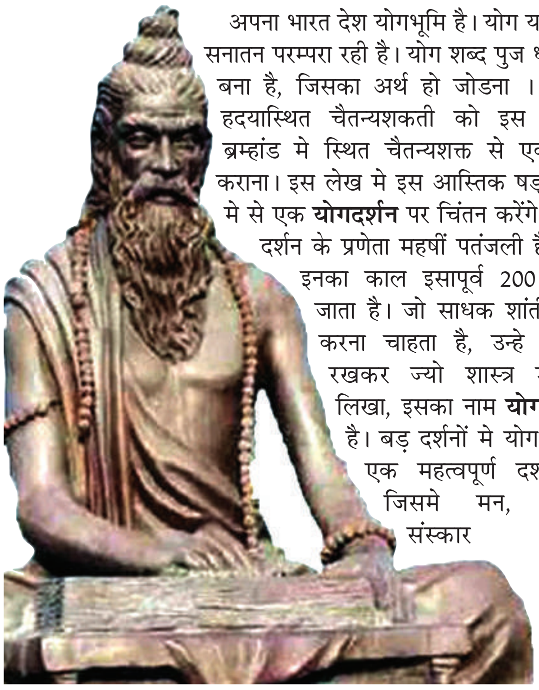

अपना भारत देश योगभूमि है। योग यहाँ की सनातन परम्परा रही है। योग शब्द पुज धातु से बना है, जिसका अर्थ हो जोडना । अपने हदयास्थित चैतन्यशकती को इस संपूर्ण ब्रम्हांड मे स्थित चैतन्यशक्त से एकाकार कराना। इस लेख मे इस आस्तिक षड्दर्शनो मे से एक **योगदर्शन** पर चिंतन करेंगे। योग दर्शन के प्रणेता महर्षी पतंजली है और इनका काल इसापूर्व 200 माना जाता है। जो साधक शांती प्राप्त करना चाहता है, उन्हे सामने रखकर ज्यो शास्त्र उन्होंने लिखा, इसका नाम **योगदर्शन** है। बड़ दर्शनों मे योग दर्शन एक महत्वपूर्ण दर्शन है जिसमे मन, न्द्रिय संस्कार और चित्तवृत्तियो पर विजय प्राप्त कर संप्रज्ञात और अ संप्रहात समाधी की प्राप्ती साधक को होती है, ऐसा वर्णन किया गया है। **योग दर्शन** 194 सूत्रो मे और चार प्रकरणों मे बांधा गया है। इन चार प्रकरणी का नाम है समाधीपा साधनापाद, विभूति पाद और कैवल्यपाह योगदर्शन का प्रमुख उपदेश है प्रकृती पुरुष का ज्ञान और चैतन्यमयी पुरुष का जड़ प्रकृतीसे निवृत्त होकर स्वस्वरूप मे स्थित होना है। अर्थात मै मन बुट्टी, चित अहंकार नही पेतु एक खुद अचेतन पुरुष (आत्मा) हूँ, तू इसकी भूनि अनुभू प्राप्त करना है। इसे महर्षी पतंजली केवक्य कहते है। योग इस द शब्द की व्याख्या करते हुए महव पतंजली लिखते है। योगश्चित्तवृत्ति निरोध: 50 से । हमारे मन में दिनभर मे 70000 चित्तवृत्तियाँ या चित्त लहरीयाँ याने कि विचार आते है इन सभी चित्तवृत्ती यों को पतंजली मुनीने प्र भागों में बाँटा है, वो हे क्षिप्त, मूठ, विक्षिप्त, एकाग्र और निरुद्ध ! जब चित्तवृत्तीयो का निरोध होता है तो क्या होता है इसका उत्तर योगदर्शन के केवळ हि हे दिया है। वस्थानम् स्वरूप तिसरे सूत्र मे तदा द्रष्टुः स्वरू पेड़ ? अर्थात योगी अपने आत्म 3 या चैतन्य स्वरूप मे लीन होकर प्रथम संपज्ञान और उसके बाद असंप्रज्ञात समाधी का आनंद प्राप्त करता है। असं प्रज्ञान समाधी प्राप्त करने का अर्थ है कैवल्य-पाप्त करना और इस केवल्य् पाप्ती के लिये पतंजली मुनी ने अष्टांगयोग बताया। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान आणि समाधी ये योग के आठ अंग है। यम प्र का प्रकार के होते है।

(1)अहिंसा - किसी भी -प्राणी मात्र की काया-वाचा-मन से हत्या म करना ।

(2) सत्य - सत्यं वदै, हिल वदे प्रिये बढ़े। अस्तेय करना था किसी ओर की वस्तु पर अपना हक न बनाना। का अर्थ हैं मन और इहियो ब्रम्हचर्य पर पूर्ण संयम

(3) अपरिग्रह - अर्थात आवश्यकता से अधिक संग्रह न के साथ नियम भी शौच, संतोष करना । सके यम प्र प्रकार के है। तप, स्वाध्याय और इश्वर- प्रणिधान । शौच शब्द का अर्थ है अंतर - वाक्य शुद्धता। सुखासन या पद्मासन मे स्थिर बैठक लगाने को आसन कहते हैं। आसन शब्द का दूसरा अर्थ है **वस्त्र** जिसके ऊपर करते है बैठक कर हम ध्यान वह वस्त्र मुलायम व नैसर्गिक धागे से बना हुआ और समतल धरती पर विद्याया हुआ चाहिये श्वासप्रश्वासो सयो-गतिविच्छेद- प्राणायाम: अर्थात श्वास और प्रश्वास की गली को नियत्रित करना, एक लय में परिवर्तित प्रवाख प्राणाय करना प्राणायामे है। धारणा शब्द का अर्थ है अपने मन को एक जगह हार शब्द का अर्थ एकाग है करना, प्रत्या वापस लोढना जब हमारी सारी ज्ञानेदिय अपने विषय मे न भटकते हुए शांत होती है, इसे प्रत्याहार कहा जाता है। प्रत्याहार का सराव हो जाने के बाद ध्यान साता है और प्रविधिन के ध्यान अभ्यास से साधक संपद्वान और उन संप्रज्ञात समाधी कर सकना है। की अवस्था प्राप्त

महर्षी पतंजली कहते है, जो साधक निर्मलमना नही वो ध्यानयोग मे प्रणली मही कर सकता। साधक को चाहिये की वो अपना चित्त शुद्ध रखकर स्थान योग का अविरत अभ्यास करे। चिन खुट्टी के लिये जो उपाय महिमा पंतजलीने बताया है है । वह इसप्रकार मैत्री - अपने से ज्यादा दुखी व्यक्ती की तरफ देखकर हमारे मन मे ईश द्वेष उत्पन्न होता है। इस रिपू से बचने के लिये साधक ने सभी के प्रति मैत्रभाव रखना चाहिये। अगर हम इस मैगभाव को अपने अपने अंदर विकसीत करेंगे तो अपने आप ज हम हमारे मन:पदन को निर्मल रख सकेंगे। करुणा-दीन-दु:खी और गरीबों के प्रति अपने मन मे घृणा रहती है और स्वत प्रति अहंकार की मै इस प्रकार की भावना श्रेष्ठ हूँ। साधना में अडसर निर्माण करती है, इसे इससे बचने के लिये अपने दीन दु:खी लोगों के मत मे करुणा ने दया और यथाशक्ती मदन करने की अर्थ है, प्रसन्नता। वृत्ती विकसीत करनी चाहिये।

(4) मुदिता - इस शब्द का जब हम कोई पुण्य पुन्यात्मा, ज्ञानी और विवेक वान पुरुष देखते है तो उनके प्रति असुधा निर्माण होती है। असूया का अर्थ है दोष देखना परंतु जब प्रति हमें आदरभाव तब असूया निकलकर जाता है। किसी के गुणी में द्वानी व्यक्ती के निर्माण होता है मन प्रसन्न हो उपेक्षा इस शब्द अंदाज का अर्थ हैं, %नजर- करना । मनें में समाभाव विकसीत करना और वाईट प्रवृत्ती के लोगों के तरफ पूर्णत: उदासीन हो

जाना । उपरोक्त वर्णित भाव हम विकसीत करते है चित्तखुट्टी हो जाती है। जब तो अपने आप योगदर्शन खंड आस्तिक दर्शनो मे से एक है और सभी दर्शनो का एक ही उद्दीष्ठ है, वो है %मोझपाटली। -मोदन इस सेवा को किसीने **निर्वाण नि: यस** तो योग दर्शन ने इसे कैवल्य और महाकैवल्य कहा है। ऋांभरा प्रड़ा इस शब्द का अर्थ बताते है हुए पतंजली ऋषी कहते हैं शास्त अथवा शब्दप्रमाण अर्थात प्रयी ग्रंथ भगवद्गीता, ब्रम्हसूत्र और उपनिषद इन ग्रंथो में से मिलनेवाला ज्ञान परोदन होता है, अर्थात अप्रत्यक्ष होता है परंतु अष्टांग योग का अभ्यास कर साधुक धारणा, ध्यान और समाधी तक है, तब पहुँचता उसका चित्त निर्मल बनकर सत्य से भर जाती है गुरुमुख बुद्धी साधक शास्त्र और से जो ज्ञान पाप्त करता है वह द्वान प्रथमत: वाचिक और बौद्धिक होता है। परंतु सतत ध्यान योग के अभ्यास से उसका चित्त निर्मल हो जाता है। दिनो दिन ध्यान और वैराग्य के पथ अग्रेसर होते हुए जब पर वह से प्रज्ञात और असंप्रहात समाधी का आनंद उठाना है, तब उसका स्वरुपद्वान अपरोस अर्थात प्रत्यास हो जाता है, बुट्टी सत्ये भर जाती है और प्रात्रऋुभरा हो जाती है।

तैतरियोपनिषद और सहजयोग

सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रम्ह । यो वेद निहितं गुहायां परमे व्योमन् ।
सोश्नुते सर्वान् कामान् सह ब्रम्हणा विपश्चिनेति ।

अपना भारत देश योगभूमि है। योग, ध्यान भक्ति यहाँ की सनातन परंपरा रही है। इस लेख में हम उपनिषदों मे वर्णित योग या आत्मतत्व पर चिंतन करेंगे। हम सहजयोग ध्यान के अभ्यासक है। सहजयोग प. पू. श्रीमाताजी प्रणित सरल ध्यान प्रक्रिया है। इस ध्यान का शनै - शनै अभ्यास करते हुए हम खोज रहे हैं कि इस ध्यान मे जो ज्ञान हमें प्राप्त हुआ वो ज्ञान हमे कहाँ मिल सकता है, तो पता चला की सारे उपनिषद उसी आत्मतत्व की और आनंद की बात कर रहे हैं। उपरोक्त वर्णित श्लोक बता रहा है कि सत्यस्वरूप, ज्ञान- स्वरूप और अनंत स्वरूप परमात्मा हम सभी के हृदय में छुपे हुए हैं । उन परब्रम्ह परमात्मा को जो साधक तत्व से जान लेता है वह सिद्ध पुरुष बाह्य विषयों का सेवन करते हुए भी स्वयं सदा परमात्मा में ही स्थित रहता है। मन, बुद्धि और इन्द्रियों के व्यवहार, उनके द्वारा होने वाली चेष्टायें परमात्मा में स्थित होते हुए भी होती हैं। इसलिये वो अपने कर्मों में लिप्त नही होता है।

तेतरियोपनिषद में साधक की जो स्थिति वर्णन की है, उसे सभी सहजयोगियों ने क्षणभर के लिये तो निश्चित ही जाना है। प.पू. श्रीमाताजी कहते हैं, जब आपको आपका आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो आपकी इड़ा - पिंगला नाड़ी मध्य सुषुम्ना में विलीन हो जाती है। आपकी कुंडलिनी माँ ऊर्ध्वगामी बनकर ब्रह्मरंध्र का छेदन करती है और आपको तत्क्षण निर्विचार अवस्था प्रदान करती है। निर्विचारिता का वह एक क्षण का आनंद बहुत ही अलौकिक होता है इसे साधक अपने हृदय मे सदा के लिये कैद करना चाहता है। उस आनंद को पुन: प्राप्त करने के लिये वह प्रयासरत रहता है। अपने आप को पूर्णतया शुद्ध रखकर वो शनै - शनै ध्यानयोग मे प्रगति करता है। श्रीमाताजी कहते हैं कि ध्यान करना नहीं होता वरन् ध्यान में स्थित होना होता है। आत्मतत्व के प्रति आकृष्ट होने वाला साधक सदैव सहस्त्रार चक्र पर अपना चित्त स्थित रखने की कोशिश करता है। वो सहज ही अपनी चित्तवृत्तियों को अंतर्मुखी बनाने की कला सीख जाता है और अपने जीवन में निरानंद, व अखंड आनंद का अनुभव लेते हुए बडी खुशी से अपना जीवनयापन करता है। आप भी इन अलौकिक अनुभवों का आनंद प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें।

आप अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

वह चाहती है कि मनुष्य उस स्तर पर जाए जहाँ वे परमेश्वर के राज्य, सदशिव के राज्य में प्रवेश करते हैं जहाँ आनंद है, क्षमा है, वहाँ आनंद है.

[ईश्वर सर्वशक्तिमान]

मनुष्यों के दिलों में परिलक्षित होता है, सभी रचनाओं के बीच वह स्पंदित होता है।. लेकिन वह दालें, स्पंदन प्रिमोर्डियल मदर की ऊर्जा है।. और वह आदि शक्ति की योजनाओं के खिलाफ जाने वाली किसी भी चीज को नष्ट कर सकता है।. आदि शक्ति प्रेम है, वह क्षमा करती है और वह प्यार करती है।. वह अपनी रचना से प्यार करती है।. वह चाहती है कि सृष्टि समृद्ध हो, उसी स्तर तक जाए जिसके लिए इसे बनाया गया था।. वह चाहती है कि मनुष्य उस स्तर पर जाए जहाँ वे परमेश्वर के राज्य, सदशिव के राज्य में प्रवेश करते हैं जहाँ आनंद है, क्षमा है, वहाँ आनंद है। यह सब केवल तभी संभव है जब आप मांग रहे हों, कि आपके पास वहां रहने की जन्मजात इच्छा भी हो।. हमारे भीतर की यह इच्छा प्रधान माँ के प्रतिबिंब के रूप में परिलक्षित होती है।. अब यह इच्छा है और अन्य सांसारिक इच्छाएँ भी हैं जो आपकी चढ़ाई की प्रगति को रोकती हैं।

सहज योग में हमने कभी भी सन्यास को लेने या घर से दूर भागने या उन सभी प्रकार की चीजों के लिए इच्छाओं को दूर करने की कोशिश नहीं की है जो सुझाए गए हैं।. पहली बात यह है कि आप अपनी आत्मा का प्रकाश प्राप्त करते हैं।. आत्मा सदाशिव का प्रतिबिंब है।. उस प्रकाश में वह दिखाता है, वह सिर्फ रास्ता दिखा रहा है।. आत्मा एक प्रकाश की तरह है जो जल रहा है और जो मार्ग दिखा रहा है।. उस मार्ग में आप स्वयं इतने समझदार हो जाते हैं कि आप ज्ञान के प्रकाश में चलते हैं, कि आप धार्मिकता के प्रकाश में चलते हैं, क्योंकि जो कुछ भी विनाशकारी है वह आपकी आत्मा के प्रकाश के माध्यम से देखा जाता है।. आप वह सब छोड़ना शुरू कर देते हैं जो विनाशकारी है।. किसी को भी आपको यह बताने की जरूरत नहीं है: ह्रइसे छोड़ दो, वह छोड़ दो।.ॡआप स्वयं महसूस करते हैं कि:ॡ यह गलत है और हमें हार माननी चाहिए।

यह था, मुझे कहना चाहिए, मनुष्य की अपनी समझ।. क्योंकि ये वे दिन हैं जहां लोग पूरी तरह से भ्रम में हैं।. वे हर समय संघर्ष में रहते हैं यहां तक कि अस्तित्व के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।. इन परिस्थितियों में, सब कुछ विफल हो जाता अगर आपने एक सन्यास लेना शुरू कर दिया होता और फिर हिमालय और उस सब पर जा रहे होते।

यदि आपको जनता के लिए ऐसा करना है, तो कुछ को कट्टरपंथी बनाना होगा और सौभाग्य से मैं यह पता लगाने में सक्षम हूं कि आप अपने अंकुर, अपने बोध को प्राप्त कर सकते हैं।.

अब कुछ लोग जिन्हें बोध प्राप्त होता है, उन्हें कुछ चीजों को समझना पड़ता है क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं कि बहुत से लोग हैं जिन्हें बोध हुआ है।. मुझे नहीं पता कि कितने हैं, मैं गिनती नहीं रखता।. लेकिन उनमें जो कमी है वह समर्पण है।. यह कहना शर्मनाक है लेकिन एक तथ्य है।. यह आधुनिक सहजा योग की एकमात्र शर्त है जिसे आपको वास्तव में आत्मसमर्पण करना होगा।. यदि आप अपने मस्तिष्क का उपयोग करना शुरू करते हैं, यदि आप सहजा योग को समझने के लिए अन्य तरीकों का उपयोग करना शुरू करते हैं, तो आप नहीं कर सकते।. आपको आत्मसमर्पण करना चाहिए और - जैसा कि इस्लाम समर्पण के अलावा कुछ भी नहीं है, इस्लाम का अर्थ है आत्मसमर्पण - और यदि वह समर्पण नहीं है, तो परमेश्वर के राज्य में किसी को भी स्थापित करना असंभव है।.

प. पु. श्री माता जी श्री निर्मला देवी।
14 मार्च , 1994।

रिंकू सिंह बन गया आईपीएल का सुपर स्टार

रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को गुजरात टाइटन्स पर तीन विकेट से जीत दिलाई. आखिरी पांच गेंदों पर केकेआर को जीत के लिए 28 रनों की जरूरत थी, लेकिन रिंकू ने छक्कों का ऐसा पंच जड़ा कि गुजरात की टीम देखते रह गई. अलीगढ़ में पैदा हुए रिंकू की क्रिकेटिंग जर्नी आसान नहीं रही है. इंडियन प्रीमियर लीग में 9 अप्रैल (रविवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम मेंएक ऐसा मुकाबला खेला गया, जिसे फैन्स कई सालों तक नहीं भूलेंगे. कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटन्स के बीच खेले गए इस मुकाबले के मुख्य किरदार रहे रिंकू सिंह. बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने मुकाबले के आखिरी ओवर में ऐसा अद्भुत खेल दिखाया, जिसकी तारीफ करने के लिए शब्द कम पड़ गए.कोलकाता को आखिरी ओवर में जीत के लिए 29 रन बनाने थे और उसकी हार लगभग तय दिख रही थी। गुजरात टाइटन्स के कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने आखिरी ओवर फेंकने की जिम्मेदारी बाएं हाथ के पेस बॉलर यश दयाल को सौंपी. यश दयाल की पहली गेंद पर उमेश यादव ने सिंगल लेकर स्ट्राइक रिंकू सिंह को दिया। इसके बाद रिंकू ने लगातार पांच छक्के लगाकर टीम को जीत दिला दी। आखिरी सात गेंदों पर बना डाले 40 रन।

रिंकू सिंह अपनी टीम के कप्तान नीतीश राणा के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे थे. 25 साल के रिंकू ने अपनी पारी की काफी धीमी शुरुआत की और पहले 14 गेंदों पर उन्होंने सिर्फ 8 रन बनाए. लेकिन, रिंकू ने जो आखिरी सात गेंदें खेलीं उसमें उन्होंने 40 रन बनाए. कुल मिलाकर रिंकू सिंह ने 21 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 48 रन बनाए, जिसमें छह छक्के और एक चौका शामिल था।

एक्शन-रोमांस का जबरदस्त डोज है सलमान खान की फिल्म का ट्रेलर, बॉक्स ऑफिस पर आएगा तूफान ?

सलमान खान के फैंस का इंतजार खत्म हो गया है। उनकी अपकमिंग फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का ट्रेलर वीडियो जारी कर दिया गया है। देखिए।

सलमान खान की बहुचर्चित फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के ट्रेलर का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। अब लंबे समय का उनका वो इंतजार खत्म हो गया है। ट्रेलर से पहले इसके पांच गाने रिलीज किए जा चुके हैं, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छा खासा रिस्पांस मिला था। इन गानों के रिलीज होने के बाद फैंस इस मूवी को लेकर बेकरार हो गए थे। अब ट्रेलर के रिलीज होते ही उनकी फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। ट्रेलर के रिलीज का एक्टर ने एक दिन पहले ही ऐलान कर दिया था।

एक्शन और रोमांस का है जबरदस्त डोज

सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के ट्रेलर की बात की जाए तो इसकी शुरुआत एकदम ही रोमांटिक अंदाज और शांत माहौल में होती है। इसमें पहले तो सलमान को भाईजान से किसी की जान बनते हुए आप देखेंगे और फिर 'गुंडा'। इसमें आपको एक्शन, रोमांस का जबरदस्त डोज देखने के लिए मिलेगा। इसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो को जारी होते ही एक लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इसमें हिंदी के साथ-साथ आपको साउथ टच भी देखने के लिए मिलेगा वो भी वेंकटेश दग्गुबाती की एंट्री के बाद। उन्होंने पूजा हेगड़े के भाई का रोल प्ले किया है। इसके ट्रेलर को लोगों से मिल रहे रिस्पांस को देखकर अब सवाल ये खड़ा हो रहा है कि सलमान खान बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा पाएंगे या नहीं। अब तो ये फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चल पाएगा।

अगर सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से रिलीज किए गए गानों की बात की जाए तो इसके पांच गानों के वीडियो पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसमें उनके दो रोमांटिक गाने 'नाइयो लगदा' और 'जी रहे थे हम' हैं। इसके अलावा अन्य गाने 'बिल्ली बिल्ली, Yentamma और Bathukamma हैं। आखिरी वाले गाने के लिए एक्टर को लोगों ने काफी ट्रोल भी किया था, जिसमें उन्होंने लुंगी में डांस किया था।

वहीं, फिल्म की स्टारकास्ट पर नजर डाली जाए तो सलमान खान की फिल्म 'किसका भाई किसकी जान' में पूजा हेगड़े, साउथ एक्टर वेंकटेश, शहनाज गिल, सिद्धार्थ निगम, पलक तिवारी और एक्ट्रेस भूमिका चावला भी नजर आने वाली हैं। भाईजान की ये फिल्म ईद के मौके पर 21 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। मूवी का निर्देशन फरहाद समजी ने किया है। सलमा खान ने इसे प्रोड्यूस किया है।

रोडीज सीजन 19' के साथ कमबैक करेंगी रिया चक्रवर्ती

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती जल्द ही 'रोडीज सीजन 19' के साथ टीवी स्क्रीन पर कमबैक करने वाली हैं। रिया प्रिंस नरूला और गौतम गुलाटी के साथ गैंग लीड करेंगी। चैनल ने शो का प्रोमो रिलीज किया है। इस प्रोमो वीडियो में ब्लैक ऑउटफिट में रिया बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रही हैं।

वीडियो में रिया कह रही हैं- आपको क्या लगा मैं वापस नहीं आउंगी, डर जाउंगीज्डरने की बारी किसी और की है।

'रोडीज कर्म या कांड' का पार्ट बनने के लिए एक्साइटेड हूं- रिया

शो से टीवी पर कमबैक करने के बारे में रिया ने कहा- मैं 'रोडीज कर्म या कांड' का पार्ट बनने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। मैं सोनू सूद और बाकी गैंग लीडर्स के साथ काम करने को लेकर भी एक्साइटेड हूं।

इस शो के दौरान मुझे अपना वो साइड सामने लाने का मौका मिलेगा जो किसी से डरता नहीं है। मुझे उम्मीद है कि मुझे अपनी इस नई जर्नी में फैंस से बहुत सारा प्यार और सपोर्ट मिलेगा।

इस प्रोमो वीडियो के अलावा चैनल ने 'रोडीज सीजन 19' के नए थीम- कर्म या कांड के टीजर भी रिलीज किए हैं। इस सीजन में सोनू सूद भी नजर आएंगे।

आवास बनाते समय तकनीक के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण भी अपनाएँ - विदिशा मुखर्जी

नव नियुक्त इंजीनियर्स की तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

भोपाल । मुख्य प्रशासनिक अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण मंडल श्रीमती विदिशा मुखर्जी ने कहा है कि इंजीनियर्स मकान बनाते समय व्यावहारिक दृष्टिकोण भी अपनाएँ। श्रीमती मुखर्जी सोमवार को प्रशासन अकादमी में म.प्र. गृह निर्माण मंडल के नवनियुक्त इंजीनियर्स की 3 दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला 12 अप्रैल तक चलेगी। इसमें लगभग 100 इंजीनियर्स शामिल हुए है। कार्यशाला का प्रारंभ दीप जला कर किया गया।

श्रीमती विदिशा मुखर्जी ने कहा कि मकान तो मिस्त्री भी बनाते हैं। आप इंजीनियर हैं तकनीकी रूप से सोचते हैं, जो सोचते हैं वह डिजाइन करते हैं और उसे मूर्तरूप देते हैं। व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में आपको यह भी सोचना होगा कि हम ऐसा क्या करें जो दूसरों की सोच से आगे हो। इंजीनियर्स को तकनीकी के साथ व्यावहारिक रूप से भी सोचना होगा। उन्होंने कहा कि आवास की डिजायन यह ध्यान में रख कर तैयार करें, जैसे उस आवास में आपको रहना है और आपकी आवश्यकताओं के अनुसार उसमें क्या-क्या होना चाहिए।

प्रथम-सत्र में उपायुक्त श्री एम.के. साहू ने प्रशिक्षणार्थियों को विभागीय सेटअप से परिचय कराया। उन्होंने मेजरमेंट बुक का मेटेंनेस, साईट ऑर्डर, साईट पर सामान की टेस्टिंग आदि की जानकारी दी। मण्डल के सेवानिवृत्त एवं वरिष्ठ एग्जिक्यूटिव इंजीनियर श्री अजय तिवारी ने अपने अनुभव प्रशिक्षणार्थियों के साथ साझा किये। उन्होंने भूमि-अधिग्रहण, भूमि आवंटन, टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से एप्रूवल और काम के लिये अनुमोदन संबंधी प्रक्रिया से अवगत कराया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने रायसेन में जापानी इंसेफलाइटिस टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया

रायसेन । लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने राज्य स्तरीय जापानी इंसेफलाइटिस टीकाकरण अभियान का रायसेन जिला चिकित्सालय में शुभारंभ किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि पहले चरण में रायसेन और विदिशा जिले में 10 से 30 अप्रैल तक एक से 15 वर्ष आयु के शत-प्रतिशत बच्चों को इंसेफलाइटिस की वैक्सीन लगाई जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि जापानी इंसेफलाइटिस क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। टीकाकरण से इस जानलेवा बीमारी से सुरक्षा मिलती है। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश में कोविड-19 टीकाकरण अभियान से जुड़े अधिकारियों के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि यही टीकाकरण टीम जापानी इंसेफलाइटिस टीकाकरण अभियान में शत-प्रतिशत बच्चों को टीका लगाना सुनिश्चित करेगी। राज्य स्तरीय टीकाकरण शुभारंभ कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, जापानी इंसेफलाइटिस टीकाकरण को-ऑर्डिनेटर डॉ. राज शंकर घोष और डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला उपस्थित थे।

374 नगरीय निकायों में गौरव दिवस संपन्न

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार प्रदेश के 374 नगरीय निकायों में गौरव दिवस का आयोजन किया जा चुका है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने शेष 39 नगरीय निकायों में आगामी 2 माह में गौरव दिवस का आयोजन करने के निर्देश दिये हैं।

नगरीय निकाय जैतहरी, शाढ़ौरा, बैतूल बाजार, धार, डबरा (पिछोर), सांवेर, थांदला, कैलारस, पोरसा, सबलगढ़, जेरोन खालसा, निवाड़ी, पृथ्वीपुर, पन्ना, देवरी, गैरतगंज, धामनोद, त्योंथर, मकरोनिया बुजुर्ग, राहतगढ़, लखनादोन, सिवनी, ब्यौहारी, बड़ोदा, विजयपुर, नरवर, बरगवां, सरई, बडागांव, बल्देवगढ़, जतारा, खरगापुर, लिधोराखास, टीकमगढ़, नौरोजाबाद, पाली, कुरवाई, लटेरी और विदिशा में गौरव दिवस का आयोजन आगामी 2 माह में किया जाना है।

हर स्थिति से निपटने के लिये राज्य सरकार पूरी तरह तैयार - मंत्री श्री सारंग

हमीदिया अस्पताल में मॉक ड्रिल कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तैयारियों की समीक्षा को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की बैठक

देश एवं प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भोपाल के हमीदिया अस्पताल में कोरोना से निपटने की तैयारियों को लेकर मॉक ड्रिल किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कोविड अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को निश्चित समयावधि के भीतर ही इलाज मिल सके, इसकी पूरी व्यवस्था की गई है। मध्यप्रदेश में कोरोना की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, किसी भी प्रकार की परिस्थिति से निपटने के लिये राज्य सरकार पूरी तरह तैयार है। मॉकड्रिल के बाद मंत्री श्री सारंग ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिये।

मॉक ड्रिल

मंत्री श्री सारंग की उपस्थिति में लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस से लाए गये डमी पेशेंट को ऑक्सीजन मास्क के साथ स्ट्रेचर पर कोविड डेडिकेटेड वॉर्ड में ले जाया गया। जहाँ उसका केजुएल्टी में रजिस्ट्रेशन कर आईसीयू वार्ड में वेंटिलेटर युक्त बेड तक पहुँचाया गया। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान स्टॉप वॉच के जरिये टाइम रिकॉर्ड किया गया। मरीज को एम्बुलेंस से केजुएल्टी तक पहुँचाने में 2:59 मिनट और केजुएल्टी से आईसीयू में ले जाने में 5 मिनट से भी कम समय लगा।

नागरिक मास्क लगाएँ और भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचें

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में कोरोना की स्थिति पूर्ण रूप से नियंत्रण में है। वर्तमान में मिले करोना संक्रमित मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। सभी मरीज होम आइसोलेशन में हैं और टेलीमेडिसिन से उन्हें निरंतर परामर्श दिया जा रहा है। साथ ही उनकी स्थिति को रिकॉर्ड भी किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से मास्क लगाने एवं भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचने की अपील भी की।

ऑक्सीजन प्लांट का हर माह होगा मॉकड्रिल

मंत्री श्री सारंग ने हमीदिया अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट के मॉक ड्रिल का भी अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता 2 हजार एलपीएम की है। प्लांट की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। मॉनीटरिंग के लिए जीपीएस सिस्टम लगाया गया है। इस सिस्टम से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के संभावित खतरे से निपटने के लिये अस्पतालों में ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता के लिये हर माह ऑक्सीजन प्लांट में मॉकड्रिल किया जायेगा।

मॉक ड्रिल के बाद मंत्री श्री सारंग ने कोरोना से संबंधित तैयारियों के संबंध में गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बताया गया कि प्रदेश में 35 लेब हैं जिनकी टेस्टिंग क्षमता 1 लाख 24 हजार प्रतिदिन है। वहीं मेडिकल कॉलेजों में प्रतिदिन 20 हजार टेस्ट किये जा सकते हैं। प्रदेश में 42 हजार 974 कोविड बेड उपलब्ध हैं। इनमें से 13 मेडिकल कॉलेजों में 8 हजार 459 कोविड बिस्तर हैं। मंत्री श्री सारंग ने प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता की भी समीक्षा की। बताया गया कि 215 पी.एस.ए प्लांट संचालित हैं। इनसे प्रति मिनट 1 लाख 21 हजार लीटर ऑक्सीजन बनाई जा सकती है। प्रदेश में अब तक 13 करोड़ 39 लाख टीके लगाए जा चुके हैं।

मंत्री श्री सारंग ने समीक्षा के दौरान तैयारियों को लेकर संतुष्टि व्यक्त की और आवश्यक निर्देश दिये। संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, आयुक्त भोपाल संभाग श्री माल सिंह भयड़िया, डीन गांधी चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. अरविंद राय, हमीदिया अस्पताल अधीक्षक डॉ. आशीष गोहिया सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एमपी ट्रांसको ने ऊर्जीकृत किया नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरणके लिए 132 के.व्ही. की लाइन एवं फीडर-वे

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (ट्रांसको) ने नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के लिए अपने 400 के.व्ही. सब-स्टेशन जुलवानिया से 132 के.व्ही. लाइन एवं फीडर-वे का निर्माण कर ऊर्जीकृत किया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि क्षेत्र में मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम के 3 पॉवर हाउस के लिए विद्युत आपूर्ति करेगी। नर्मदा विकास प्राधिकरण डिवीजन-14 की अजंदी-नागलवाड़ी माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन पावर हाउस-1 के लिए इस लाईन एवं फीडर का निर्माण किया गया है।

लगभग 50 किलोमीटर की 132 के.व्ही. की लाइनों से विद्युत आपूर्ति 400 के.व्ही. सब-स्टेशन जुलवानिया से किया जाना है। इसके तहत पावर हाउस-1 के लिए यह पहली लाइन और फीडर-वे तैयार कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस लाइन के ऊर्जीकृत होने से 132 के.व्ही. की सप्लाई पॉवर हाउस-1 के यार्ड तक पहुँच गई है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने माइक्रो इरिगेशन सिस्टम के लिए लाइन और फीडर-वे के निर्माण में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी हैं। उन्होंने कहा है कि क्षेत्र में सिंचाई परियोजना के लिए ट्रांसमिशन कंपनी समय पर अपने कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखें। ट्रांसमिशन कंपनी के कारण सिंचाई परियोजनाओं में कोई देरी न हो।

निगम की जल्दबाजी

इंदौर में लाखों खर्च कर संवारी एक बावड़ी,10 खत्म कर डालीं; नगर निगम के पास बावड़ी-कुओं का हिसाब नहीं

देश में जलस्रोतों को बचाने के अभियान के बीच नगर निगम ने जल्दबाजी में शहर के 10 बावड़ी-कुएं हमेशा के लिए दफन कर दिए। एक तरफ वह खुद भी इनके जीर्णोद्धार और कायाकल्प की योजनाओं पर करोड़ों खर्च कर रहा है तो दूसरी तरफ बिना सोचे-समझे बुलडोजर चलाकर इनका अस्तित्व खत्म कर दिया। हैरत की बात तो ये है कि जिस निगम के पास इनके रखरखाव और जीर्णोद्धार की जिम्मेदारी है, उसके पास ठीक-ठीक आंकड़े भी नहीं है कि आखिर इंदौर में ऐसे जलस्रोत कितने हैं।

जिस दिन पटेल नगर हादसा हुआ, उस दिन निगम ने कुएं-बावड़ियों की संख्या 629 बताई। उसके बाद सर्वे शुरू किया तो घटकर ये सूची में 616 रह गई। अब जब सर्वे पूरा हुआ है तो निगम और प्रशासन के पास 555 के नाम हैं, जिसमें बावड़ी सिर्फ 40 और कुएं 515 हैं। 2005-06 में निगम ने इनके सुधार का अभियान चलाकर 2 करोड़ रुपए खर्च किए और बावड़ियां ठीक कीं। अब वही निगम एक के बाद एक कुएं-बावड़ी मलबा भरकर बंद कर रहा। इस गलती के बाद सरकार को कार्रवाई रोकना पड़ी। निगम के सर्वे में 19 जोन में 444 कुएं व बावड़ियां ऐसी निकलीं, जिनकी गहराई में चौड़ाई 3 मीटर से अधिक है।

आईडीए की स्कीमों में ही 100 कुएं मलबे से दबा दिए।

60त्न इलाकों में ग्राउंड वाटर 500 फीट से नीचे, भूजल दोहन चिंताजनक।

02 लाख से ज्यादा बोरिंग लाखों लीटर पानी रोज खींच रहे, जलस्तर गिर रहा।

29 रु./लीटर लागत आ रही नर्मदा का पानी पिलाने पर।

एक्सपर्ट- बावड़ी पानी रोकने का सबसे अच्छा माध्यम

हरिहरराव होलकर छत्री का जीर्णोद्धार करने वाली टीम में शामिल रहे औरंगाबाद के आर्किटेक्ट अब्राहम पैथरोज ने बताया कि छत्री की बावड़ी पानी सहेजने का अच्छा माध्यम है। इनकी देखभाल हो तो ये पेयजल का स्रोत भी बन सकती हैं।

हम उन कुएं-बावड़ियों के अतिक्रमण हटा रहे हैं, जो बिलकुल सूख चुके हैं। हमारी कोशिश है कि ऐसे कुएं-बावड़ियों को रिचार्जिंग के लिए इस्तेमाल करें।

-पुष्यमित्र भार्गव, मेयर

कुएं और बावड़ियां हमारी विरासत हैं। जिले और शहर दोनों में इनके संरक्षण के लिए काम शुरू किया है। इसके लिए टीमें लगाई हैं।

-इलैया राजा टी, कलेक्टर

देर रात नशे में टावर पर चढ़ा व्यक्ति, बड़ी मशक्कत के बाद उतारा

इंदौर। शहर के खजराना थाना क्षेत्र के महक वाटिका के सामने रविवार रात में एक व्यक्ति नशे की हालत में मोबाइल के टावर पर चढ़ गया। जब आसपास के लोगों ने व्यक्ति को टावर पर देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचने के बाद पहले उसे समझाइश दी, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं था।

कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से व्यक्ति को नीचे उतारा गया और एमवाय अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार संजय मालवीय ने विवाद के दौरान अपने बेटे को डांट दिया था। इससे नाराज होकर बेटा घर से कहीं चला गया था। इसी से परेशान होकर वह टावर पर चढ़ गया था। संजय ने शराब पी रखी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोरोना से निपटने के लिए हम कितने तैयार, इसका किया निरीक्षण

इंदौर। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों में सोमवार को माकड्रिल किया जा रहा है। इससे पता चल सके कि आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की क्या स्थिति है। कोरोना काल में बढ़ते मरीजों की संख्या के कारण संसाधनों की कमी से कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं। ऐसे में अब कोरोना को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो इसलिए माकड्रिल की गई। इसके तहत सीएमओ बीएस सैत्या ने पीसी सेठी अस्पताल और हुकुमचंद अस्पताल में कोरोना की आपात स्थितियों से निपटने की स्थितियों का जायजा लिया। विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया।

शिक्षण संस्थानों के आसपास नशे का कारोबार, यूनिवर्सिटी कैंपस के बाहर बिक रही ड्रग्स

इंदौर। चाय के साथ सिगरेट का सेवन तो आम है लेकिन तमाम शिक्षण संस्थानों से 100 और 200 मीटर के दायरे में ही शराब की दुकानें भी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के ताजा सर्वे में इससे भी ज्यादा चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। यूनिवर्सिटी के कैंपस (यूटीडी) के बाहर प्रतिबंधित नारकोटिक्स ड्रग्स बिक रही है और युवा सेवन कर रहे हैं। सर्वे की विस्तृत रिपोर्ट भाजपा-संघ से जुड़ा यह छात्र संगठन जिम्मेदारों को सौंपने जा रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं की एक टीम ने भंवरकुआं, भोलाराम उस्ताद मार्ग, इंद्रपुरी, विष्णुपुरी से लेकर टावर चौराहा, होलकर कालेज, आइटी पार्क और राजीव गांधी चौराहे तक के पूरे क्षेत्र की 50 से ज्यादा कालोनी, मोहल्लों में एक सर्वे किया। 2000 से ज्यादा सैंपल जुटाए गए। यह पूरा क्षेत्र शिक्षण संस्थानों का गढ़ है। देवी अहिल्या विवि की अध्ययनशालाएं, तक्षशिला कैंपस, होलकर कालेज, सबसे बड़ा आर्ट एंड कामर्स कालेज, ला कालेज तो इस क्षेत्र में आता ही है। सिविल सर्विस, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाली कोचिंग क्लासेस भी इसी क्षेत्र में है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बाहरी विद्यार्थी इस क्षेत्र में आकर रह रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)